



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 267]
No. 267]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 5, 2005/आश्विन 13, 1927
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 5, 2005/ASVINA 13, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 2005

निर्णायक समीक्षा

विषय :—चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड पर पाटनरोधी शुल्क लगाने संबंधी निर्णायक समीक्षा की शुरुआत।

सं. 15/16/2005-डीजीएडी.—निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए उपशीर्ष 283110 और 283210 के अंतर्गत आने वाले चीन जन० गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। प्रारंभिक जांच परिणाम 21/1/2001 की अधिसूचना सं. 39/1/2000-डीजीएडी के तहत प्रकाशित किए गए थे और संबद्ध वस्तु पर सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 28/2001 सीमाशुल्क दिनांक 12 मार्च, 2001 के तहत अनंतिम शुल्क लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 13 सितम्बर, 2001 की अधिसूचना सं० 39/1/2000-डीजीएडी द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किया था और दिनांक 2 नवम्बर, 2001 की अधिसूचना सं० 114/2001 सीमाशुल्क के अनुसार सीमाशुल्क विभाग द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. विचाराधीन उत्पाद

विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड (रसायनिक सूत्र $(\text{Na}_2\text{S}_2\text{O}_4)$ जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) है। सोडियम हाइड्रोसल्फाइड एक सफेद या सलेटी सफेद क्रिस्टलीयन दृश्य विदेशी अवयवों से मुक्त तीव्र गंधयुक्त पाउडर है। सोडियम हाइड्रोसल्फाइड का प्रयोग विविध औद्योगिक क्षेत्रों जैसे वस्त्र, साबुन, शीरा, ग्लू और न्यूनकारी पदार्थ, धातुओं के धात्विक आयनों का डिसल्फाइड, ऊनी बालों में लिंकेज आदि में किया जाता है। चूंकि वर्तमान जाँच एक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही उत्पाद है जैसा कि मूल जाँच में परिभाषित

किया गया है और उसके बाद की अवधि के दौरान इसमें कोई खास अंतर नहीं आया है। सोडियम हाइड्रोसल्फाइड को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के उपशीर्ष 28321020 और 28311010 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि आवेदकों ने यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तुओं का अध्याय 28 और 29 से संबंधित अन्य सीमाशुल्क उपशीर्षों के अंतर्गत आयात किया जा रहा है। तथापि यह वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और वर्तमान जाँच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

3. जाँच शुरुआत

सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और इसके अधीन निर्मित नियमों के अनुसार प्राधिकारी को लगाए गए पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करनी अपेक्षित होती है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम 1995 की धारा 9क(5) के प्रावधान के तहत, इस चरण पर सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा करना उचित होगा। चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए मै. देमोशा केमिकल्स प्रा. लि., मुम्बई तथा मै. ट्रान्सपेक-सिलोक्स इंडस्ट्री लि. वडोदरा, गुजरात ने संयुक्त रूप से याचिका दायर की है तथा यह अनुरोध किया है कि ऊपर उल्लिखित अधिसूचनाओं के अंतर्गत संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को पांच वर्ष की अवधि के लिए आगे बढ़ाया जाए।

4. शामिल देश

वर्तमान जाँच में शामिल देश चीन जन. गण. (जिसे इसके बाद सम्बद्ध देश कहा गया है) है।

5. प्रक्रिया

दिनांक 13 सितम्बर, 2001 की सं. 39/1/2000- डीजीएडी द्वारा अधिसूचित अंतिम जाँच परिणाम तथा 2 नवम्बर, 2001 की अधिसूचना सं. 114/2001- सीमाशुल्क द्वारा लागू अंतिम शुल्क की समीक्षा करने का निर्णय लेने के पश्चात, प्राधिकारी सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियम 1995 के अनुसार सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड के आयातों के बारे में यह समीक्षा करने के लिए जाँच शुरू करते हैं कि क्या पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा फिर से होने की संभावना है।

इस समीक्षा में 13 सितम्बर, 2001 की अधिसूचना सं. 39/1/2000- डीजीएडी के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। मूल जाँच में मै. देमोशा केमिकल्स प्रा. लि., मुम्बई तथा मै. ट्रान्सपेक-सिलोक्स इंडस्ट्री लि. वडोदरा, गुजरात ने घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व किया था। निर्णायक समीक्षा में मै. ट्रान्सपेक-सिलोक्स इंडस्ट्री तथा मै. देमोशा केमिकल्स प्रा. लि. संयुक्त रूप से वर्तमान जाँच के याचिकाकर्ता हैं। प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार आवेदनकर्ता, जो भारत में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन के बड़े भाग का उत्पादन करते हैं, को घरेलू उद्योग का प्रतिनिधि मानने का प्रस्ताव करते हैं।

6. जांच की अवधि

वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च, 2005 (12 महीने) तक की है।

7. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देश के निर्यातकों और भारत में उनके दूतावासों/उच्चयोगों के माध्यम से उनकी सरकारों, भारत में ज्ञात संबद्ध आयातकों एवं प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को संबंधित सूचना निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय (डीजीएडी), कमरा सं. 248, उद्योग भवन, नई दिल्ली- 110011

अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गयी समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।

8. समय सीमा

वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना तथा सुनवाई के लिए कोई अनुरोध लिखित में प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर इस समीक्षा अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर पहुँच जाने चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकॉर्ड कर सकते हैं।

9. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th October, 2005

Sunset Review**Subject:—Initiation of Sunset Review regarding anti-dumping duty imposed on Sodium Hydrosulphite originating in or exported from China PR.**

No. 15/16/2005-DGAD.— The Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, recommended Imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of Sodium Hydrosulphite (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (referred to as subject country) falling under Sub-heading 283110 and 283210. The preliminary findings were published vide Notification No 39/1/2000-DGAD dated 2/1/2001 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs notification No. 28/2001-Customs dated 12th March 2001. The Designated Authority came out with final findings on 13th September 2001 vide notification no 39/1/2000-DGAD and definitive anti dumping duty was imposed by Customs as per notification No. 114/2001-Customs dated 2nd November 2001.

2. Product under Consideration

The product under consideration is Sodium hydrosulphite (Chemical formula ($\text{Na}_2\text{S}_2\text{O}_4$) (referred to as subject goods hereinafter) originating in or exporter from China PR. Sodium Hydrosulphite is a white or grayish white crystalline powder, free from visible foreign particles with pungent odour. Sodium Hydrosulphite is widely used in diverse industrial sectors like Textiles, Soap, Molasses, Glue and reducing agent, disulphide of Metal ions to Metals, linkage in wool hair etc. Present investigation being a review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation and there has been no significant development in the product during the period thereafter. Sodium Hydrosulphite is classified under custom sub-heading 28321020 and 28311010 of Schedule 1 of the customs Tariff Act, 1975. However, the applicants have claimed that the subject goods are being imported under other customs subheads pertaining to chapter 28 and 29. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

3. Initiation

The Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and the rules made there under require the Authority to review from time to time the need for continuance of anti dumping duty. The Designated Authority considers that the sunset review of the Anti-Dumping Duty recommended would be appropriate at this stage under the provision of section 9A (5) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 as amended. M/s. Demosha Chemicals Pvt Ltd, Mumbai and M/s Tanspek-Silox Industry Ltd, Vadodara, Gujarat have jointly filed an application substantiating the need for review of the antidumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from China PR and have requested to continuation of the anti-dumping duty imposed on subject goods under the above mentioned notifications for a further period of 5 years.

4. Countries Involved:

The countries involved in the present investigations are China PR (referred to as subject country hereinafter).

5. Procedure

Having decided to review the final findings notified vide No. 39/1/2000 -DGAD dated 13th September 2001 and final duty imposed by Notification No 114/2001-Customs dated 2nd November 2001, the Authority hereby initiates investigations to review whether cessation of antidumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury on imports of Sodium Hydrosulphite originating in or exported from subject country, in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment & Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995.

The review covers all aspects of Notification No.39/1/2000-DGAD dated 13th September 2001. M/s Transpek-Silox Industry Ltd, Vadodara, Gujarat and M/s Demosha Chemicals Pvt, Mumbai represented domestic industry in the original investigations. In the sunset review M/s Transpek-Silox Industry and M/s Demosha Chemicals Pvt. Ltd. jointly constitute applicants in the present investigation. The Authority proposes to consider the applicants who constitute the major proportion of the production of the subject goods in India to represent the domestic industry in accordance with the Rules supra.

6. PERIOD OF INVESTIGATION

The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April 2004 to 31st March 2005 (12 months).

7. Submission of Information:

The exporters in subject country, their government through their Embassy/High Commission in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties, (DGAD), Room No. 240, Udyog Bhavan, New Delhi-110011

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

8. Time Limit

Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this review notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

9. Inspection of Public File:

In terms of Rules 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority